

Written by कुमार सौवीर  
Wednesday, 04 July 2018 18:05

: 0000 000000 00 00000000 00000000 00000000 000000 00 00000-000000 0000 00 00000000  
00000 0000 000000 : 0000000000 0000 000000000000 0000 0000 0000000 000000 00000 0000 0000 , 00  
00000 0000 00000000 , 0000000000 00 00000000000 00 00000000 00 00000000 00 000000000000 :

000000 000000

00000 : आइये, 0 कनयी पाठशाला खोल दिया जा000 चलती-फरती पाठशाला0 इसकेला0 कहीं आने-जाने की भी कोई जरूरत नहीं0 बस, अपना मोबाइल ऑन कीजा0 , फेसबुक या वाट्सऐप समूह में जुड़ कर वहां भाषा के लेकर हो रही गलती-गड़बड़ियों पर चर्चा शुरू कर दीजा00 बना किसी संकेच, या फिर बना किसी दुराग्रह के0 आपक लहजा बस शांत, सौम्य0 य और सहयोगी भाव में होना चाह00 बाकी लोग खुद ब खुद आपकेपास जुड़ने लगेंगे0

फेसबुकपर मैंने कल रात यही कथिा0 अमर उजाला में वाराणसी केसमाचार संपादकहै प्रदीप मशिर्0 आईआई0 मसी यानी भारतीय जन संचार संस्0 थान के पढ़े-लखिे हैं0 तीस साल हो चुकेहैं पत्रकारिता करते हु00 लेकिन जैसे कोई परदिा अपने पुराने घोंसले पर लौटता हो, जैसे कोई वविाहतिा अपने लोगों क हालचाल लेने अपने मायकेआती हो, प्रदीप भी आईआई0 मसी पहुंचे0 वहां की अपनी 0 कफोटो फेसबुकपर अपलोड की0 फिर कू0 या था, कमेंट्स की बाढ़ आ गयी0 सामान्0 य तौर पर वर्तनी की गड़बड़ होती है, तो मैं उसे सहज भाव में ले लेता हूँ0 लेकिन उसमें से 0 ककमेंट पर मेरी नजर पड़ी, गौर कथिा तो पाया क यह पत्रकार है0 मुझे लगा क यह शख्0 स हमारे ही पत्रकारिता-परिवार क सदस्0 य है0 इसला0 उसे मैंने समझाने केला0 मतिरतापूर्व परामर्श देना शुरू कर दिया0

आइये, उस कमेंट पर आया जा0 , जिस पर बातचीत शुरू हो गयी0 वह बातचीत बेहद शालीनता केसाथ हुई0 मैंने अपनी बात पूरी सहजता-सरलता के साथ कह दी, और उसने भी पूरी सौम्य0 यता और शालीनता केसाथ मेरे परामर्श के स्0 वीकर कथिा0 कहीं भी किसी भी शख्0 स ने ऐसा नहीं कथिा जिससे किसी के बुरा लग सके0 आइये, अब बातचीत के पढ़ने क कम्0 ट करें :-

### Hemant Dubey कहा क है शीन है सर

**Kumar Sauvир** हेमंत जी0 आपने जिस संदर्भ में शीन शब्द क प्रयोग कथिा है, वह सरवथा भ्रमकरी, अशुद्ध और अनर्थकरी है0 सही शब्द है सीन0 और मैं समझता हूँ क यह सही समय है जब मैं इसी वषिय पर पाठशाला प्रारम्भ कर दूँ0 अन्यथा मत लीजायिगा, लेकिन पत्रकारिता केगंभीर क्षेत्र में शब्द, वर्णमाला और व्याकरण सरवथा अनविरय होते हैं0

जरा अब नोट करना शुरू कीजा0 और अपने साथियों के भी इस बारे में जागरूकव सतर्कभी कीजायिगा0

सीन और शीन शब्द हदिी अथवा अंगरेजी में है ही नहीं0 शीन तो उर्दू क अक्षर है, जिसक इस्तेमाल केवल श अक्षर के प्रयुक्त करने में कथिा जाता है0

Written by कुमार सौवीर

Wednesday, 04 July 2018 18:05

---

जबकि सीन अक्षर नहीं, बाक्यदा क शब्द होता है। अंग्रेजी में सीन का अर्थ है दृश्य, नजारा अथवा क्रिया में देखा जा चुका। जबकि उर्दू की वर्णमाला में शीन से श शब्द की उत्पत्ति होती है। आपको बता दूं कि उर्दू में शीन से पहले सीन शब्द आता है। सीन के बाद शीन, फिर स्वाद, फिर जवाद।

**Pradeep Mishra** पाठशाला अच्छी लगी।

**Hemant Dubey** छमा

**Kumar Sauvir Hemant Dubey** मेरे लाल। क्षमा के लाल। नहीं, समझने की पाठशाला खोली है मैंने। सरिफ सुधरो, सुधारो, और अक्षर-संधान का ब्राह्मण और पंडित बनने के सेनानी बनो।

लेकिन पहले तो छमा नहीं, क्षमा शब्द का प्रयोग शुरू करो

**Kumar Sauvir** बेटा। मैं क्लास चला रहा हूँ, जजिजासा और उत्साह भाव रखो। यह जेल या हवालात नहीं, किहम शर्मदा होते रहें

**Hemant Dubey** ओके सर

**Kumar Sauvir** जजिजासा, विचार, शब्द, भाव, विश्लेषण, लेखन, अभिव्यक्ति और सम्प्रेषण तुम ही न संभालोगे-सीखोगे, तो कौन करेगा?

00000000 :-हालांकि मैं जानता हूँ कि ऐसी टोकटाकी किसी के बुरी भी लग सकती है। लेकिन मुझे लगा कि ऐसा करना जरूरी है। हम पत्रकार लोग अपनी विश्वसनीयता और भाषागत अराजकता के बड़े खतरे से जूझ रहे हैं। इसलिए इस तरह की नुक़्ताचीनी होनी ही चाहती है। और गर्व की बात है कि हेमंत दुबे ने मेरी हर बात पर सहमति व्यक्त की। अब आप सब लोग भी इस बारे में लोगों के जागरूक करें।